Raj Express (Indore), 21st January 2026, Page-04

एलुमनाई मीट

संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में व्यक्तिगत और पुराने लम्हों की याद और अनुभव भी साझा किए

पूर्व छात्र आईआईटी की सबसे बड़ी ताकत में से एक हैं: जोशी

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर की ओर से छठवीं एलुमनाई मीट और दूसरी बेंगलुरु चैप्टर मीट आयोजित की गई। संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों सहित करीब 235 प्रतिभागियों की कुल उपस्थिति के साथ 173 से अधिक पूर्व छात्रों की भागीदारी देखी गई। इंटरैक्टिव चर्चाओं और नेटवर्किंग सत्रों ने पूर्व छात्रों को साथियों के साथ फिर से जुड़ने, विचारों का आदान-प्रदान करने और संस्थान के साथ सहयोगी अवसरों का पता लगाने में सक्षम बनाया। भविष्य के लिए संस्थान के दृष्टिकोण को साझा करते हुए, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने संस्थान के विकास में पूर्व छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व छात्र आईआईटी इंदौर की सबसे बड़ी ताकत में से एक हैं। सभी क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियां हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों को समान रूप से प्रेरित करती हैं। हम छात्रों को मार्गदर्शन देने, नवाचार का समर्थन करने, अनुसंधान में योगदान देने और उद्योग सहयोग को मजबूत करने में उनकी भूमिका को गहराई से महत्व देते हैं। हम साथ मिलकर आईआईटी इंदौर को वैश्विक रूप से प्रभावशाली संस्थान बना सकते हैं।

पुरानी यादें व अनुभव किए साझा

डीन, पूर्व छात्र व कॉर्पोरेट संबंध (एसीआर) ने पूर्व छात्रों, उद्योग और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए एसीआर कार्यालय की ओर से की गई विभिन्न पहलों पर बात की। छात्रों के बीच मजबूत जुड़ाव और समग्र विकास को बढ़ावा देने वाली जेनेसिस व अन्य पहलों जैसे छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों पर विस्तार से बताया। संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत और पुराने लम्हों की याद और अनुभव भी साझा किए।

उत्सव और पुरानी यादों वाला माहौल बना

कार्यक्रम में कल्चरल इन्टरैक्शन और इनफॉर्मल नेटवर्किंग भी शामिल थी, जिससे उत्सव और पुरानी यादों वाला माहौल बना। पूर्व छात्रों ने बेंगलुरु में मीट आयोजित करने के फैसले की सराहना की, क्योंकि उन्होंने इसे एक बड़ा प्रोफेशनल हब और आईआईटी इंदौर के बहुत सारे ग्रेजुएट्स का घर माना। पूर्व छात्रों को उनके अलमा मैटर के साथ फिर से जोड़ने के लिए एलुमनाई मीट एक सक्रिय मंच के रूप में कार्य करती है। यह पूर्व छात्र और संस्थान के बीच के संबंध को मजबूत करती है। संस्थान से डिग्री प्राप्त कर ने वाले अलग-अलग वर्षों के पूर्व छात्र, वर्तमान में उद्योग, शिक्षाविदों, उद्यमिता और लोक सेवा में प्रमुख पदों पर रहते हुए, मीट में भाग लिया।